प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19—ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद— कन्नौज एवं फर्रूखाबाद।

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0 / एस0एस0भ्रमण / फर्रूखाबाद / 2019—20 / 8647 दिनांक 15.01.2020

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स / समस्याओं के निराकरण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना हैं कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 17 दिसम्बर से 20 दिसम्बर, 2019 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये (विवरण संलग्नक)। कृपया भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों को एवं दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

भवदीया,

संलग्नक— यथोक्त।

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0 / एस0एस0भ्रमण / बिजनौर / 2019—20 / तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

1. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानपुर मण्डल, उ0प्र0।
3. जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, कन्नौज एवं फर्रूखाबाद, उ0प्र0।
4. समस्त महाप्रबन्धक / उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कानपुर मण्डल, उ0प्र0।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कन्नौज एवं फर्रूखाबाद, उ0प्र0।

(डा0 मीनाक्षी सिंह)
महाप्रबन्धक—आई0ई0सी0

जनपद कन्नौज एवं फर्रुखाबाद की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की भ्रमण आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 17 दिसम्बर से 20 दिसम्बर, 2019

राज्य स्तरीय टीम

1. डा0 आनन्द अग्रवाल, उपमहाप्रबंधक, आर0के0एस0के0।
2. श्री सौरभ तिवारी, सलाहकार, आर0के0एस0के0।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उपरोक्त टीम द्वारा दिनांक 17–20 दिसम्बर 2019 के मध्य जनपद कन्नौज एवं फर्रुखाबाद का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्कूलों में संचालित आर0के0एस0के0/आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम व सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन, जनपद स्तरीय आर0के0एस0के0 कोआर्डिनेटर सुश्री रागिनी सचान एवं श्री चन्दन तथा अरबन कोआर्डिनेटर के सहयोग से किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, तालग्राम– कन्नौज–डा उमेश चन्द्र, चिकित्सा प्रभारी

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• चिकित्सालय में 03 चिकित्सक, 02 स्टाफ नर्स एवं 48 ए0एन0एम0 तैनात है। चिकित्सा इकाई मे गंदगी पायी गयी। जबकि सपोर्ट स्टाफ/सफाई कर्मी तैनात है। उनके द्वारा कार्य में रुचि नही ली जाती एवं कार्य के प्रति उदासीनता प्रकट की जाती पायी गयी। • चिकित्सालय परिसर के अन्दर आने का मार्ग कच्चा होने के कारण कीचड़ पाया गया। • बी0एम0डब्लू नियमित नही आती पायी गयी। • इकाई के कैम्पस से रोगियों के बैठने एवं परिसर में पौधे लाइट एवं अन्य व्यवस्था को किया जाना अपेक्षित है।	• चिकित्सालय में तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रशिक्षण हेतु अग्रेतर कार्यवाही का सुझाव दिया गया। स्टाफ/सफाई कर्मी के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही चिकित्सा प्रभारी से अपेक्षित है। कार्य के प्रति उदासीनता प्रकट करने वाले कर्मचारियों के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही किया जाना अपेक्षित है। • आर0के0एस0 की धनराशि से परिसर के अन्दर का मार्ग पक्का कराने का सुझाव दिया गया। • बी0एम0डब्लू को नियमित आने व अनुबन्ध अनुसार कन्ज्यूमेबल सामग्री भी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
• वित्तीय वर्ष 2019–20 में डा0 सीमा सिंह, संविदा महिला चिकित्सक एवं आर0बी0एस0के0 टीम में तैनात श्रीमती सरिता प्रजापति, स्टाफ नर्स अधिकांश दिवस बिना किसी पूर्व सूचना के अवकाश पर पायी गयी। चिकित्सालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त दोनो अपने कार्यो पर नही आती है। पूर्व में कई बार नोटिस दिये जाने एवं मानदेय रोके जाने के बावजूद उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया है। परिणामस्वरूप कार्यक्रम की गतिविधियां प्रभावित होती हैं।	• चिकित्सा प्रभारी से उक्त प्रकरण के क्रम में दोनो के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।
• चिकित्सा इकाई पहुचने का गली बेहद पतली है एवं मोड पर जो सांकेतक पूर्व में लगाया गया उसके उपर मुक्तिधाम पेंट कर दिया गया है। प्रभारी द्वारा बताया गया कि धार्मिक भावना को आहत न करने के कारण उसको हटाया नही गया। गेट पर मानकानुसार नाम नही अंकित पाया गया। परिसर में पुताई एवं सफाई की आवश्यकता है।	• टीम द्वारा सांकेतक हेतु मोड पर नया बोर्ड लगाने का सुझाव दिया तथा गेट पर मानकानुसार नाम व परिसर की पुताई आदि आर0के0एस0 मद की धनराशि से किये जाने का सुझाव दिया गया।

• चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था की गई थी परन्तु उस पर Expiry/Refilling की तिथि का अंकन नहीं किया गया था। • ओ0पी0डी0 कक्ष में वाश बेसिन नहीं लगा है। • Examination table हेतु पर्दे की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।	• अग्निशामक को Refilling कराकर Expiry/Refilling की तिथि अंकित कराया जाना सुनिश्चित किये जाने हेतु सम्बन्धित को आदेशित करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।
• सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं। • प्रसव कक्ष में Colour Coded, Waste bins नहीं रखा गया था। • प्रसव कक्ष में Wash Basin के पास Hand Wash Protocol Poster, Display नहीं किया गया था एवं एलबो टाईप नल भी नहीं लगा था साथ ही वहां पर Liquid Soap भी नहीं रखा गया था। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्शन कन्ट्रोल की जानकारी हेतु Re-orientation की आवश्यकता है।	• लेबर रूम में को व्यवस्थित कराने के लिए चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया।
• प्रसव कक्ष में एक्सपाइरी इन्जेक्शन इत्यादि पाये गये। आटोक्लेव का नियमानुसार उपयोग नही किया जाता पाया गया। समस्त कैलीसपैड पंचर पाये गये। • एन.बी.एस.यू. कक्ष में उपकरण रखे पाये गये एवं एन.बी.एस.यू. अक्रियाशील है। • प्रसव कक्ष में अधिकतर इन्जेकशन/औषधियां एक्सपायरी पाये गये। पानी की समुचित व्यवस्था नही है। • प्रसव कक्ष में cord tie or clamps में जंग लगा पाया गया, फोकस लाइट, ए.सी., फ्रिज, कैलीसपैड, मेकन्टास, काउच, इत्यादि उपकरण की उपलब्धता नही है। पिछले डेढ साल से कैलीसपैड पंचर की अवस्था में उपयोग में लाया जा रहा है। उक्त हेतु स्टाफ नर्सो द्वारा इन्डेंट की प्रति भी नही उपलब्ध करायी गयी। • रेफरल स्लिप एवं चार्ज हैण्डओवर रजिस्टर उपलब्ध नही है। प्रसव रजिस्टर के रिकार्ड को पूर्ण रुप से नही भरा जा रहा है। • जे.एस.एस.के. प्रोग्राम के अन्तर्गत समुचित डाइट प्रदान नही की जा रही है। लाभार्थी को दिया जाने वाला डाईट के मानक से सभी कर्मी अनभिज्ञ थे। डाईट रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं था एवं डाईट चार्ट भी कहीं Display नहीं किया गया था।	• 1 नर्स मेंटर एवं 03 स्टाफ नर्स की तैनाती उपरांत इस प्रकार की दशा से स्पष्ट है कि प्रसव कक्ष, मिनी स्किल लैब, ए0एन0सी0 वार्ड मे तैनात समस्त कर्मचारियों द्वारा कार्य के प्रति बेहद उदासीनता प्रकट होती है। स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया कि कैलीसपैड का प्रयोग किया जाता है किन्तु 01 भी सही नही पाया गया। • चिकित्सा प्रभारी द्वारा तैनात समस्त फारमेसिस्ट एवं नर्स मेंटर से स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु अनुरोध किया गया। • अन्य महत्वपूर्ण सामग्री के लिये इन्डेन्ट भरवाते हुये तत्काल उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। • समस्त अभिलेखों को अद्यतन एवं पूर्ण भरने का तरीका बताते हुये सही करने का सुझाव दिया गया। • जे.एस.एस.के. प्रोग्राम के अन्तर्गत टेण्डर अनुरूप समुचित डाइट देने का सुझाव दिया गया।
• आशा को प्रदान की जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि एव दर्ज किये गये रिकार्ड में अन्तर पाया गया। • आशाओं के पेमेण्ट से सम्बधिंत रिकार्ड पूर्ण नही किये जा	• डाटा वेलिडेशन कमिटी की नियमित बैठक सम्पादित करते हुये समस्त अभिलेख अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया।

रहे हैं। • कर्मचारियों को रोगी कल्याण समिति के दिशा–निर्देश एवं होने वाली बैठकों के विषय में कोई जानकारी नही है। रोगी कल्याण समिति के रजिस्टर एवं उक्त बैठकों के रजिस्टर नही बने पाये गये। • डाटा वेलिडेशन कमिटी का गठन नही हुआ पाया गया एवं न ही अभिलेख उपलब्ध पाये गये।	• बी0पी0एम0यू0 के कर्मचारियों को आर0के0एस0 संबंधित दिशा–निर्देश उपलब्ध कराते हुये अभिमुखीकरण किया गया। तत्काल समस्त अभिलेखों को बनाते हुये अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया।
• आर0बी0एस0के0 टीम का कोई भी मूवमेंट रजिस्टर नहीं बनाया गया है। • आर0बी0एस0के0 टीम – बी में कुल 04 अधिकारी/कर्मचारी तैनात पाये गये। उक्त टीम के पास कोई भी अभिलेख उपस्थित नही पाये गये। • टीम द्वारा टीम की स्टाफ नर्स जोकि माह में मात्र 2–3 दिन ही आती हैं, के न होने पर स्कीन किये गए बच्चों का कोई रिकार्ड नहीं रखा जाता है। बच्चों का हाईट वेट भी नहीं लिया जा रहा है। • वार्ता के कम में ज्ञात हुआ कि उक्त समस्त अभिलेख आर0बी0एस0के0 के वाहन में है। उनके द्वारा जटिल रोगी बच्चों को को सन्दर्भित किये जाने पर उनको न तो प्रमुखता प्रदान की जाती एवं चिकित्सकों द्वारा गलत व्यवहार किया जाता है जिससे बच्चे जाना नही चाहतें। वित्तीय वर्ष 2019–20 में 03 गम्भीर शिशुओं का इलाज कराया जा चुका है।	• माह अगस्त में किये गए सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान समस्त आर0बी0एस0के0 टीम सदस्यों को इस विषय में स्पष्ट दिशा–निर्देश दिये गए थे किन्तु किसी भी नियम का कोई अनुपालन नहीं किया जा रहा है। • समस्त टीम को निर्देशित किया गया कि समस्त अभिलेख प्रत्येक दशा में चिकित्सालय में उपस्थित होना अनिवार्य है। • उक्त के कम में उनके द्वारा नोडल अधिकारी से सम्पर्क स्थापित कर उक्त कार्य को सम्पादित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही जनपद सहारनपुर जहां आर0बी0एस0के0 द्वारा कई ह्रदय रोगी बच्चो का इलाज फोर्टिस अस्पताल में कराया गया उनसे सम्पर्क स्थापित करने का सुझाव दिया गया।
• स्टोर में बेहद गलत तरीके से औषधियां रखी पायी गयी एवं कुछ इक्सपायरी दिनांक के निकट की भी पायी गयी। डिप फ्रिजेर में मानकानुसार इंजैक्शन नही रखे पाये गये। कही भी लेबलिंग नही पायी गयी। • पिंक और ब्लू आयरन टैबलेट रिकार्ड रजिस्टर के एक ही पन्ने में लिखे पाये गये, जिनमें भेद किया जाना संभव नहीं है। • आयरन की पिंक और ब्लू टैबलेट नियमों के विपरीत पूरी की पूरी आर0बी0एस0के0 टीम के सदस्य को प्राप्त करवा दी गई है जिसका आगे का कोई रिकार्ड केन्द्र पर उपलब्ध नहीं मिला। • नियमों के विपरीत आवश्यकता से काफी अधिक मात्रा में आयरन की पिंक और ब्लू टैबलेट टीम द्वारा प्राप्त की गई हैं। • ब्लाक में प्रेषित किये गए विफ्स एवं निपी रजिस्टर का कोई रिकार्ड केन्द्र पर नहीं मिला। • आर0बी0एस0के0 टीम के सदस्य विफ्स के प्रशिक्षक होने के बावजूद कार्यकम के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं बता सके।	• समस्त अभिलेखों को अद्यतन एवं औषधियों को सुव्यवस्थित कराया गया।

• चिकित्सालय में श्री नीरज, जिला लेखा प्रबंधक उपस्थित नही पाये गये। उक्त के विषय में जानकारी प्राप्त हुयी कि श्री नीरज 02 स्थानों का कार्य देखने के कारण उपस्थित नही है। • जे0एस0वाई का भुगतान 19.11.19 के उपरांत डैम का पूर्णकालिक न होने के कारण लम्बित बताया गया। • आर0के0एस0के0 कार्यक्रम के प्रमुख मदों में ब्लाक स्तर से व्यय न्यूनतम बुक किया गया था। • 108 एम्बुलेन्स संख्या UP41 G0872 बेहद जरजर अवस्था पर खडी पायी गयी। एम्बुलेन्स बंद थी एवं कोई भी तैनात कर्मी उपस्थित नही था।	• जिला लेखा प्रबंधक को दोनो स्थानों पर समान ध्यान केन्द्रित करते हुये समस्त लम्बित व्यय बुक कराने का सुझाव दिया गया। • बैठक में मद संख्या लिखवाते हुये किये गये व्यय का बुक करने का सुझाव दिया गया साथ ही प्रत्येक माह काउन्सलर द्वारा किये जा रहे आउटरीच एक्टीविटी का भुगतान सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। • उक्त अवस्था पर चलायी जा रही एम्बुलेन्स को बंद कराने हेतु अग्रेतर कार्यवाही अपेक्षित है।

प्राथमिक विद्यालय गोवा वि.क्षे. जलालाबाद – कन्नौज	
पर्यवेक्षण के बिन्दु	**की गयी कार्यवाही**
• स्कूल में सुश्री प्रिया सिंह बघेल–प्रधानाचार्या पद पर तैनात मिली कुल 120 विद्यार्थी पंजीकृत पाये गये। विपस कार्यक्रम संचालित नही पाया गया। संबंधित आई0ई0सी0 कालेज में नही पायी गयी। • विद्यालय में माह नवम्बर की एक्सपाइसरी आयरन की टैबलेट भ्रमण टीम को प्राप्त हुयी। वार्ता के क्रम में प्रधानाचार्या महोदया द्वारा बताया गया कि विपस के प्रपत्र फर्जी भरे जाते है। • कृमि मुक्ति दिवस का अयोजन आगनवाडी कार्यकत्री द्वारा किया गया था किन्तु उक्त के संबंध में कोई भी अभिलेख उपस्थित नही पाये गये। आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा निरीक्षण नही किया जाता पाया गया। • आपातकालीन स्थिति हेतु कोई भी सम्पर्क नम्बर विद्यालय में उपलब्ध नही पाया गया। • बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जानकारी का आभाव मिला।	• आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर से तत्काल उक्त क्षेत्र में संचालित स्कूलो/कालेजो की सूची तैयार कर आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। तैनात शिक्षकों को टीम द्वारा अभिमुखीकरण किया गया एवं उक्त विषयों में जानकारी बढाने का सुझाव दिया गया। • प्रधानाचार्या महोदया का स्वास्थ्य विभाग संबंधित कार्यक्रमों की अवेहलना चिन्ता का विषय है तथा उक्त के क्रम में नियामानुसार कार्यवाही करने की संस्तुति की गयी। • टीम द्वारा बच्चों से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि बच्चों को कार्यक्रम का ज्ञान है। • टीम द्वारा निकटवर्ती स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी का नम्बर वाल रायटिंग के माध्यम से लिखवाने का सुझाव दिया। • अध्यापकों के अभिमुखीकरण की आवश्यकता है।
किशोर स्वास्थ्य दिवस – गंधौलिया, कटकैया, आगनवाणी केन्द्र, तालग्राम, कन्नौज	
• ब्लॉक में कुल 12 किशोर स्वास्थ्य दिवस की प्लानिंग की गयी थी। ए.एन.एम, ऑगनवाडी, आशा, ए0एच0 काउन्सलर, पियर एजुकेटर एवं बच्चे किशोर स्वास्थ्य दिवस में उपस्थित पाये गये।	• आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर को आउटरीच करते हुये समस्त काउन्सलर को दिशानिर्देश देने एवं आयोजन हेतु समस्त जानकारी देने का सुझाव दिया गया। उपकरण इत्यादि की पूर्व मे व्यवस्था

• किशोर स्वास्थ्य दिवस में हीमोग्लोबिनो मीटर उपलब्ध पाया गया किन्तु स्ट्रिप नही उपलब्ध होने के कारण किशोरो की जांच नही की जाती पायी गयी। • दिशानिर्देशों की जानकारी का अभाव दिखा। काउन्सलर एवं अन्य को किशोर स्वास्थ्य दिवस से सम्बन्धित दिशानिर्देशों की जानकारी नही थी। • आर0बी0एस0के0 टीम के सदस्यों की कोई ड्यूटी भी कार्यक्रम में नहीं लगाई गई। • एक्टीविटी की कोई प्लानिंग नही की गयी थी। टीम द्वारा प्रोत्साहित कर बच्चों से गान आदि करवाया गया। गेम, नुक्कड़ नाटक, रैली, लघु नाटक आदि की योजना नही बनायी गयी थी। • BMI गणना भी नही की जा रही थी।	सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।
बृज भूषण हजेला भारतीय इंटर कालेज, तालग्राम – कन्नौज 	
पर्यवेक्षण के बिन्दु	**की गयी कार्यवाही**
• स्कूल में श्री धनन्जेय पटेल–प्रधानाचार्य पद पर तैनात मिली कुल 954 विद्यार्थी पंजीकृत पाये गये। विपस कार्यक्रम संचालित पाया गया। संबंधित आई0ई0सी0 कालेज में नही पायी गयी। • विद्यालय में आयरन की टैबलेट भ्रमण टीम को प्राप्त हुयी। वार्ता के क्रम में अध्यापको द्वारा बताया गया कि विपस के प्रपत्र भरे जाते है किन्तु अभिलेख प्रधानाचार्य के पास है और वह अवकाश पर पाये गये। • आपातकालीन स्थिति हेतु कोई भी सम्पर्क नम्बर विद्यालय में उपलब्ध नही पाया गया। • बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जानकारी पायी गयी। • विद्यालयों में विपस रजिस्टर उपलब्ध पाये गये। कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया गया था एवं रजिस्टर में सही टिक का निशान लगा पाया गया। अध्यापको के अभिमुखिकरण की आवश्यकता है। साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड संपूर्ण कार्यक्रम (WIFS) के अन्तर्गत पिंक एवं ब्लू आयरन की गोलियां उपलब्ध पायी गयी किन्तु अभिलेख/रिपोर्ट को अद्यतन करने की आवश्यकता है।	• आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर से तत्काल उक्त क्षेत्र में संचालित स्कूलो/कालेजो की सूची तैयार कर आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। तैनात शिक्षकों को टीम द्वारा अभिमुखीकरण किया गया एवं उक्त विषयों में जानकारी बढाने का सुझाव दिया गया। • टीम द्वारा निकटवर्ती स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी का नम्बर वाल रायटिंग के माध्यम से लिखवाने का सुझाव दिया। • टीम द्वारा प्रभारी अध्यापक को दिशा–निर्देशानुसार कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप दिवस में रजिस्टर पर Single & Double Tick किस प्रकार अंकित करना बताया गया। उक्त हेतु अभिलेखों को अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया। • टीम द्वारा विद्याार्थियों को नियमित रूप से आयरन की गोलियां खिलाने का सुझाव दिया गया।
प्राथमिक विद्यालय, तालग्राम – कन्नौज	
• स्कूल में श्री विनय कुमार यादव–प्रधानाचार्य पद पर तैनात मिली कुल 126 विद्यार्थी पंजीकृत पाये गये। विपस कार्यक्रम संचालित पाया गया। आयरन की गोली बच्चों	• आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का एवं अध्यापकों का प्रशिक्षण कराने का सुझाव दिया गया।

को 15 दिवस के अंतराल में दी जाती है किन्तु नवम्बर 2019 से गोली नही है। • प्रधानचार्य महोदय एवं विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जानकारी का आभाव मिला। • संबंधित आई0ई0सी0 विद्यालय में नही पायी गयी।	

वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां)

भ्रमण क्षेत्रः– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कायमगंज, जनपद फर्रूखाबाद

वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां) के पर्यावेक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कायमगंज से प्लान प्राप्त कर के निकट ग्राम में चल रहे सत्र का टीम द्वारा भ्रमण किया गया।

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
<u>**पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है**</u> – • वी0एच0एन0डी0, सत्र का बैनर दूर व फटा हुआ लगा हुआ पाया गया। • वी0एच0एन0डी0, सत्र पर श्रीमती किरण लता, ए.एन.एम. एवं श्रीमती नवीना, आशा उपस्थित थीं। • वी0एच0एन0डी0 के दौरान ए.एन.एम. के पास लाल एवं काली थैली नही थी। • प्रिन्टेड टैलीशीट, चेकलिस्ट एवं ड्यूलिस्ट नहीं था। • कुछ औषधीयों की कमी पाई गई। • टीकाकरण के उपरान्त लाभार्थीयों की आई.ई.सी. नही की जा रही थी। • गर्भवति महिलाओं की जांच हेतु अलग से व्यवस्था (टेबल व पर्दा की) नहीं थी एवं हाथ धोने की व्यवस्था भी नहीं थी।	• बी0सी0पी0एम0 द्वारा नियमित निरीक्षण करते हुये वी0एच0एन0डी0 सत्रों में समुचित औषधियां व अन्य उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
✓ **महिला जिसका प्रसव घर पर हुआ था**:–सम्बन्धित क्षेत्र में किसी भी महिला का प्रसव घर पर नहीं हुआ था। ✓ **गर्भवती महिला**:– गर्भवती महिला के घर पर टीम द्वारा भ्रमण किया गया। महिला का पंजीकरण किया जा चुका था। आयरन की गोलियां उसे प्राप्त हो गयी थी। आवश्यक जांचें नियामानुसार की गयी थी। उसे सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रसव कराये जाने के लाभ की जानकारी थी। Mother and Child Tracking Facilitation Center आये कॉल की उसे जानकारी नहीं थी। ✓ **किशोरी**– कुछ किशोरियों से भेंट की गयी उन्हें किशोरियों हेतु की जा रहीं चिकित्सकीय सेवाओं के बारे मे जानकारी नहीं थी। ✓ **छः से 2 वर्ष की माता एवं धात्री से मिलने पर पता चला कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं एवं परिवार नियोजन की जानकारी है और वे जे.एस.वाई. का भी लाभ ले चुकी हैं उनके बच्चों का नियमित रूप से टीकारण भी हो रहा है। किन्तु ओ.आर.एस. आदि के बारे मे जानकारी नही थी।** ✓ **महिला जिसका प्रसव स्वास्थ्य केन्द्र पर हुआ था**– गांव में श्रीमती सविता पत्नी श्री दीपक का प्रसव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कायमगंज पर हुआ था मिलने पर पता चला कि उन्हें स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा नियामानुसार सभी सुविधयें प्रदान की गई किन्तु एम्बुलेंस से जाने पर रू0 200/– एवं प्रसव कराने के चिकित्सकों द्वारा रू0 600/– का भुगतान किया गया।	• उक्त प्रकरण हेतु चिकित्सा प्रभारी द्वारा जांच कर आख्या मुख्य चिकित्साधिकारी को भेजने का सुझाव दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कायमगंज, जनपद फर्रूखाबाद

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कायमगंज, मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर स्थापित संन्दर्भन इकाई है। इस इकाई के अन्तर्गत 236 गांव आते है। • डा0 अनुराग सिंह, चिकित्सा अधीक्षिक से वार्ता के कम मे ज्ञात हुआ पूर्व माह में ओ0पी0डी0 12130 एवं आई0पी0डी0 120 की गई एवं 424 प्रसव उक्त समय अवधि में किये गये। • वार्ड, शौचालय एवं बैडशीट आदि की साफ–सफाई संतोषजनक पाई गई। • बायोमेडिकल वेस्ट ले जाने वाली गाड़ी वैकल्पिक दिनों में आती है। प्रभारी से बी0एम0डब्लू0 हेतु उचित सेग्रगैशन तरीके को प्रयोग करने के लिए टीम के सदस्यो द्वारा कहा गया। रंगीन अपशिष्ट निपटान (Colour coded waste disposal bin) उपलब्ध नही थे।	✓ बी0एम0डब्लू को नियमित आने व अनुबन्ध अनुसार कन्जूयमेबल सामग्री भी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
• जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत उपलब्ध सेवाओं का समुचित प्रदर्शन नही था। चिकित्सा इकाई में वॉल पेटिंग समुचित पाई गई परन्तु लेबर रूम के बाहर एवं अन्य स्थानो पर आई0ई0सी0 डिस्पले नही पाया गया। प्रभारी से उचित कार्यवाही करने के लिए कहा गया।	✓ आई0ई0सी0 डिस्पले कराने का सुझाव दिया गया।
• सीटिजन चार्टर एवं शिकायत पेटिका चिकित्सा इकाई में ओ0पी0डी0 के निकट नही पाई गई। • आपातकालीन ड्यूटी रोस्टर लगा अवश्य था परन्तु उसमें तैनात चिकित्सक के नाम नही अंकित थे किन्तु प्रसूति विभाग के ड्यूटी रोस्टर में नाम लिखे पाये गये। स्वास्थ्य इकाई में उपलब्ध औषधियों की सूची वाल पेंटिग के माध्यम से उपलब्ध थी परन्तु उसमें उपलब्ध दवाएं अंकित नही थी।	✓ सीटिजन चार्टर एवं शिकायत पेटिका को रोगियो के निकट लगवाने एवं उक्त से सम्बन्धित रिकार्ड अद्यतन कराने का सुझाव दिया गया।
• जननी सुरक्षा योजना, भण्डार पंजिका इत्यादि अभिलेखों का उचित प्रबंधन नही पाया गया। चिकित्सालय मे (आई0पी0डी0, ए0एन0सी0, पी0एन0सी0, इन्डोर बेड हेड टिकट, एनेमिक प्रिगनेन्ट वोमेन, पारटोग्राफ, एफ0पी0, माइको प्लान, ब्लड बैंक स्टाक, इन्फेंट डेथ्य, अन्टाइड फन्ड एक्सपेन्डीचर, ए0एम0जी0एक्सपेन्डीचर, आर0के0एस0एक्सपेन्डीचर) अभिलेख उपलब्ध कराये गये, जो पूर्ण नही थे एवं (ओ0पी0डी0, लेबर रूम, ओ0टी0आपरेशन, ओ0टी0, इमुनाइजेशन, रिफरल, ड्रक्स, पेमेन्ट अन्डर जे0एस0वाई0) अभिलेखों को पूर्ण नही किया एवं रख रखाव खराब था। • दवाओं का भंडारण ठीक तरीके से नही था। औषधियों की सूची भी नही लगी हुई थी। • चिकित्सालय में आपरेशन थियेटर एवं नवजात देखभाल कार्नर ठीक अवस्था में पाए गए। प्रसव कक्ष में मोबाइल आपरेटिंग लाइट एवं संलग्न शौचालय साफ सुथरा पाया गया।	✓ **प्रभारी चिकित्सक नियमित निरीक्षण कर उचित प्रबंधन एवं उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सुझाव दिया गया।**
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कायमगंज में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नही है। पीने के पानी हेतु परिसर में आर0ओ0 उपलब्ध है एवं न्यू बार्न स्टेब्लाइजेशन यूनिट क्रियाशील है। • सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कायमगंज में एक नेत्र सहायक उपस्थित थे एवं नेत्र चिकित्सा हेतु आवश्यक उपकरण क्रियाशील पाये गयें। निरीक्षण के समय तक एक भी रोगी नही देखा गया था। • सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कायमगंज में दन्त चिकित्सक तैनात है एवं डेन्टल चेयर क्रियाशील है।	✓ प्रभारी द्वारा आवश्यक कार्यवाही हेतु आश्वस्त किया गया।

• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कायमगंज में अर्श क्लीनिक संचालित पायी गयी। उक्त में श्रीमती हेमलता काउन्सलर तैनात मिली। क्लीनिक में कम्प्यूटर एवं प्रिन्टर उपलब्ध नही पाया गया। काउन्सलर द्वारा मानकानुसार आउटरीच सत्र किया जाता पाया गया। आई0ई0सी0 लगे हुये पाये गये एवं समस्त प्रपत्र व अभिलेख अद्यतन पाये गये।	

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–साहबगंज, जनपद फर्रुखाबाद – डा0 अंजली गोस्वामी

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों साहबगंज को ई–नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के रुप में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। उक्त केन्द्र डिलवरी प्यांट भी है। भ्रमण के दौरान एक महिला का प्रसव हुआ चुकि मार्ग इतना सकरा है कि एम्बुलेन्स आदि का पहुचना सम्भव नही है।	• वित्तीय वर्ष 2019–20 में कुल 04 प्रसव उक्त केन्द्र में किये गये किन्तु 48 घंटे माता को रोकने हेतु कोई जानकारी न होने के कारण वापस धर भेज दिया जाता पाया गया। टीम द्वारा उनको निकटवर्ती स्वास्थ्य केन्द्र में सन्दर्भन हेतु कार्यवाही के लिये सुझाव दिया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लैब में सिंक की व्यवस्था नही थी।	• नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. से वार्ता कर सिंक की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
• पैथोलॉजी में की जाने वाले जॉचों को प्रदर्शित नही किया गया था।	• इकाई पर की जाने वाली जॉचों को प्रदर्शित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर राज्य स्तर से प्रेषित दिशा–निर्देशों के अनुरुप उपकरण नही पाये गये जैसे –Stretcher, Fire extinguisher, Condom Box, Oxygen cylinder, Examination Table, Tray, Delivery Kit, Macintosh, Foot Step, digital clock with temperature, Side Screen, Thermometer, etc.	• राज्य स्तर से प्रेषित दिशा – निर्देशों के अनुसार प्रत्येक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपकरण की उपलब्ध सुनिश्चित किये जाने हेतु नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. से अनुरोध किया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानकानुसार आई.ई.सी. का प्रदर्शन नही किया गया है।	• मानकानुसार आई.ई.सी. को प्रदर्शित कराये जाने हेतु सझाव दिया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात स्टाफ नर्स को हाई रिस्क प्रेगनेंसी के लक्षणों के विषय में नही पता था।	• इस हेतु 01 दिवसीय कार्याशाला का आयोजन करते हुये सभी स्टाफ नर्सों एवं ए.एन.एम. को प्रशिक्षित कराये जाने का सुझाव दिया गया।
• रोगी कल्याण समिति की बैठक के रिकार्ड पूर्ण नही पाये गये।	• इस सम्बन्ध में नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. एवं जनपदीय शहरी स्वास्थ्य समन्वय के साथ वार्ता करते हुये तत्काल पूर्ण कराये जाने हेतु सुझाव दिये गये।
• ई– नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डिस्प्ले सिस्टम काम नही कर रहा था।	• इस सम्बन्ध में चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि ई–यू.पी.एच.सी. प्रोजेक्ट में कोई भी समस्या आने पर उसका कम्प्लेन टोल फ्री नं. 18001030365 पर किया जाय।
• ई– नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीज देखे जाते है किन्तु आनलाइन रजिस्टेशन नही किया गया था।	• शतप्रतिशत मरीजों को आनलाइन रजिस्टेशन सुनिश्चित किया जाय।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर राज्य स्तर से प्रेषित दिशा निर्देश के अनुरुप प्रिन्टेड रजिस्टर उपलब्ध नही पाये	• सभी रिकार्ड की उपलब्धता जनपद स्तर से सुनिश्चित की जाय साथ समस्त रिकार्ड इकाई पर

गये और न ही समस्त रिकार्ड पूर्ण थे जैसे– डिलीवरी रजिस्टर, रेफरल स्लीप, केस शीट, इत्यादि	चिकित्साधिकारी के द्वारा समय समय पर सत्यापित की जाय।
• आई0यू0सी0डी0,अन्तरा एवं ए0एन0सी0 लाभार्थियों का फालोअप नहीं हो रहा है।	• प्रत्येक लाभार्थियों का फालोअप सम्बन्धित स्टाफ के द्वारा सुनिश्चित किया जाय एवं 10 प्रतिशत डाटा का चिकित्साधिकारी द्वारा वेरीफिकेशन किया जाय।
• समस्त स्टाफ की बायोमेट्रिक उपस्थिति शत प्रतिशत सुबह/शाम को किया जाना है, जोकि वर्तमान में नही हो रही है।	• समस्त स्टाफ की बायोमेट्रिक उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित की जाय।
• इकाई पर प्रयोग में लायी जा रही बैट्री सूखी पडी हुई पायी गयी।	• बैट्री का रख रखाव सही ढ़ग से किये जाने एवं 01 और इर्न्वटर की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना है।
• आक्सीजन सिलेण्डर एवं आटोक्लेव का रिकार्ड नही बनाया जा रहा है।	• आक्सीजन सिलेण्डर एवं आटोक्लेव का रिकार्ड बनाना/पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही आक्सीजन सिलेण्डर एवं आटोक्लेव के उपयोग हेतु समस्त स्टाफ नर्सों को प्रशिक्षित किया जाय।
• कलर कोडेड बिंन की उपलब्धता एवं उसके उपयोग के विषय में समस्त स्टाफ को जानकारी का अभाव पाया गया।	• इस सम्बन्ध में सभी स्टाफ को प्रशिक्षित किया जाना एवं प्रोटोकॉल प्रदर्शित किया जाना है।
• ए.एन.सी. रजिस्टर अपूर्ण पाया गया एवं लैब में की जाने वाली जॉचों का रिकार्ड में भिन्नता पायी गयी।	• ए.एन.सी. रजिस्टर एवं लैब में की जाने वाली जॉचों का रिकार्ड को सही तरीके से भरा जाय एवं चिकित्साधिकारी द्वारा समय समय पर इसका परीक्षण किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
• ए.एन.एम. के द्वारा सम्बन्धित इकाई पर रिपोर्टिंग नही की जा रही है और ना ही ए.एन.एम. एवं आशाओं की मासिक बैठक आयोजित की जा रही है।	• ए.एन.एम. के द्वारा सम्बन्धित इकाई पर रिपोर्टिंग एवं ए.एन.एम. एवं आशाओं की मासिक बैठक इकाईवार आयोजित कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डाटा वेलिडेशन कमेटी का गठन नही किया गया है।	• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डाटा वेलिडेशन कमेटी का गठन कराना एवं समस्त डाटा का वेलिडेशन कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। जनपदीय शहरी स्वास्थ्य समन्वय के द्वारा इसका अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाय।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रोगी कल्याण समिति के रिकार्ड पूर्ण नही पाये गये।	• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रोगी कल्याण समिति के रिकार्ड को पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। जनपदीय शहरी स्वास्थ्य समन्वय के द्वारा इसका अनुश्रवण एवं सहयोग प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

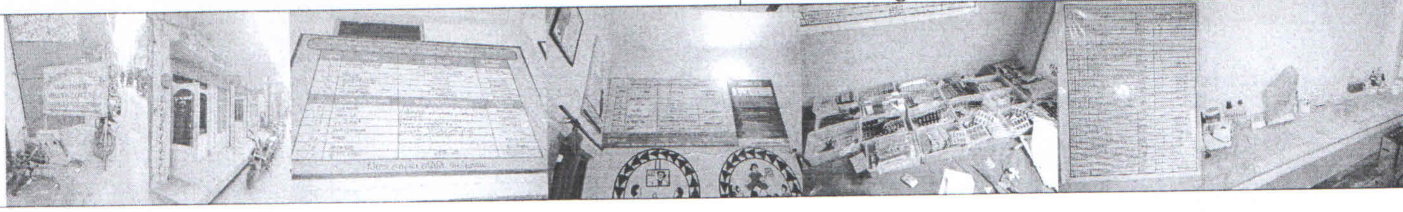

किशोर स्वास्थ्य दिवस – मौहम्दाबाद, यू0पी0एस0 मदनरपुर, जनपद फर्रुखाबाद	
• ब्लॉक में कुल 10 किशोर स्वास्थ्य दिवस की प्लानिंग की गयी थी। ए.एन.एम, ऑगनवाडी, आशा, ए0एच0 काउन्सलर, पियर एजुकेटर एवं बच्चे किशोर स्वास्थ्य दिवस में उपस्थित पाये गये। कुल 45 किशोर/किशोरियां उपस्थित थे जिनमें 28 पियर एजूकेटर थे। • पियर बोलने में शर्मा हुये पाये गये। सम्पूर्ण ज्ञान की कमी देखने को मिली। चूकिं उनका प्रशिक्षण माह नवम्बर 19 में हुआ अतः पियर रजिस्टर भरे नही प्राप्त हुये। • किशोर स्वास्थ्य दिवस में हीमोग्लोबिनो मीटर उपलब्ध पाया गया एवं किशोरो की जांच की जाती पायी गयी। • दिशानिर्देशों की जानकारी का आभाव देखने को प्राप्त हुआ। काउन्सलर एवं अन्य को किशोर स्वास्थ्य दिवस से सम्बन्धित दिशानिर्देशों की जानकारी नही थी। • एक्टीविटी की कोई प्लानिंग नही की गयी थी। टीम द्वारा प्रोत्साहित कर बच्चों से गान आदि करवाया गया। गेम, नुक्कड़ नाटक, रैली, लघु नाटक आदि की योजना नही बनायी गयी थी। • BMI जांच भी नही की जा रही थी।	• आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर को आउटरीच करते हुये समस्त काउन्सलर को दिशानिर्देश देने एवं आयोजन हेतु समस्त जानकारी देने का सुझाव दिया गया। उपकरण इत्यादि की पूर्व मे व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। • काउन्सलर द्वारा पियर को प्रोत्साहित करते हुये कियाशील बनने का सुझाव दिया गया एवं प्रशिक्षण में प्राप्त किट का प्रयोग करने का सुझाव दिया गया।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं पर मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया तथा सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु अपने स्तर से सम्बंधित को निर्देशित किये जाने का अनुरोध किया गया।

Saurabh
(सौरभ तिवारी)
परामर्शदाता, एन.एच.एम.
एस.पी.एम.यू., लखनऊ

(डा0 आनंद अग्रवाल)
उपमहाप्रबंधक–आर0के0एस0के0
एस.पी.एम.यू., लखनऊ

Participation in AHD

संलग्नक

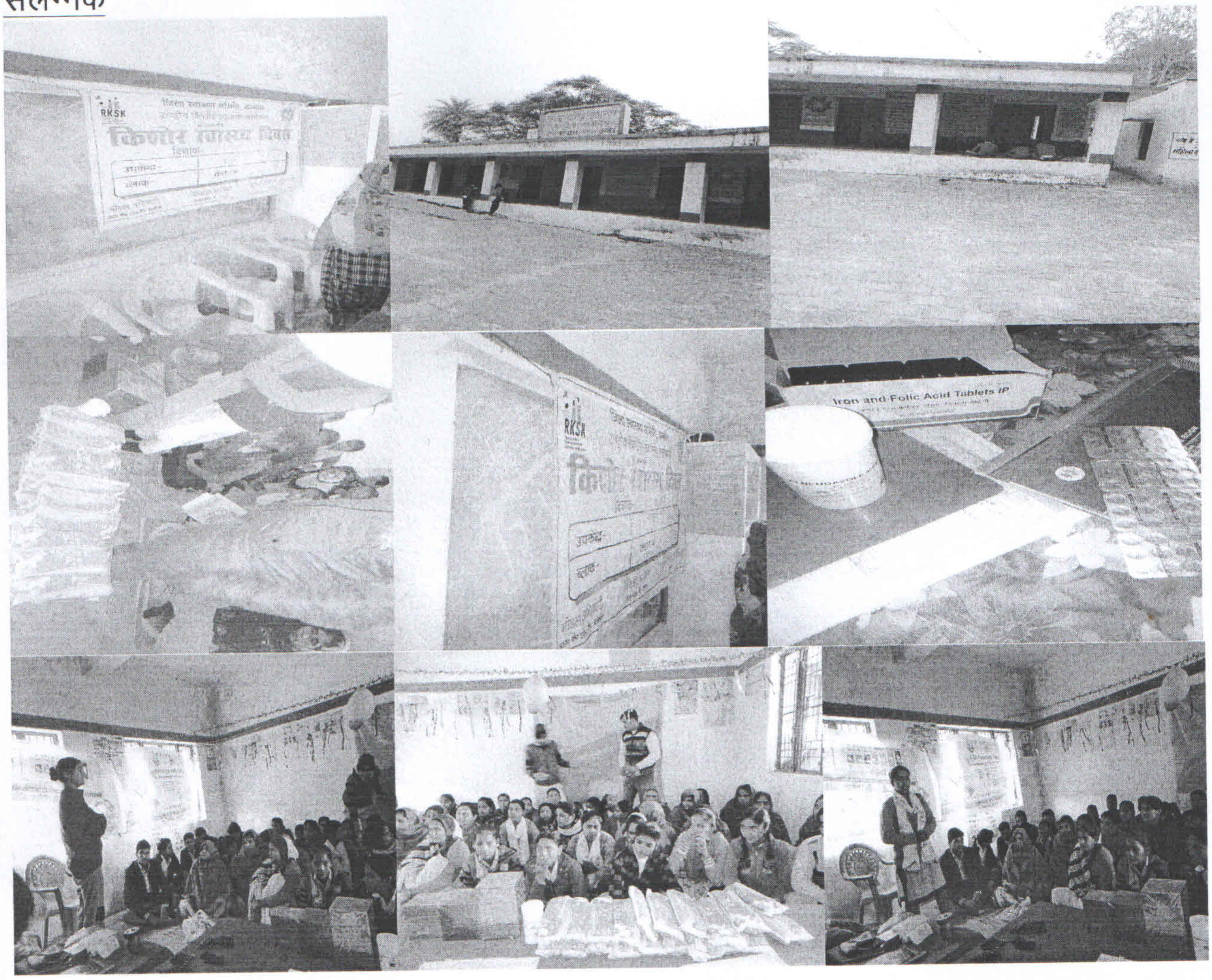

WIFS Program

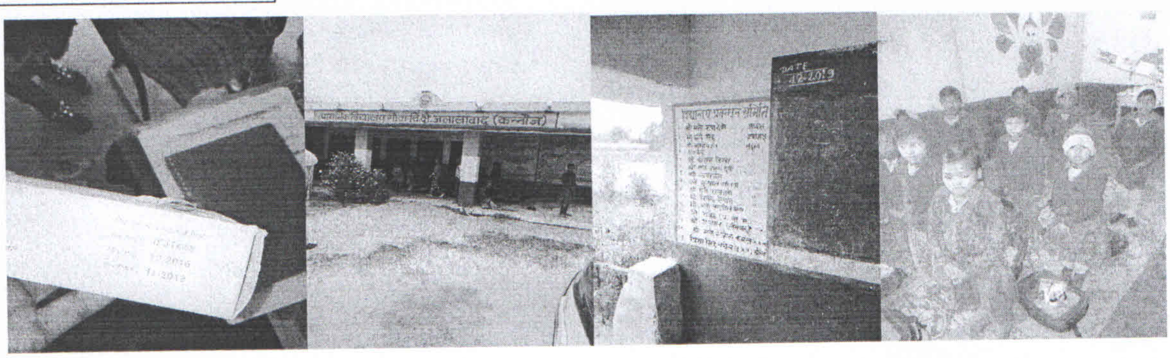

VHND

CHC Talgram, Kannouj

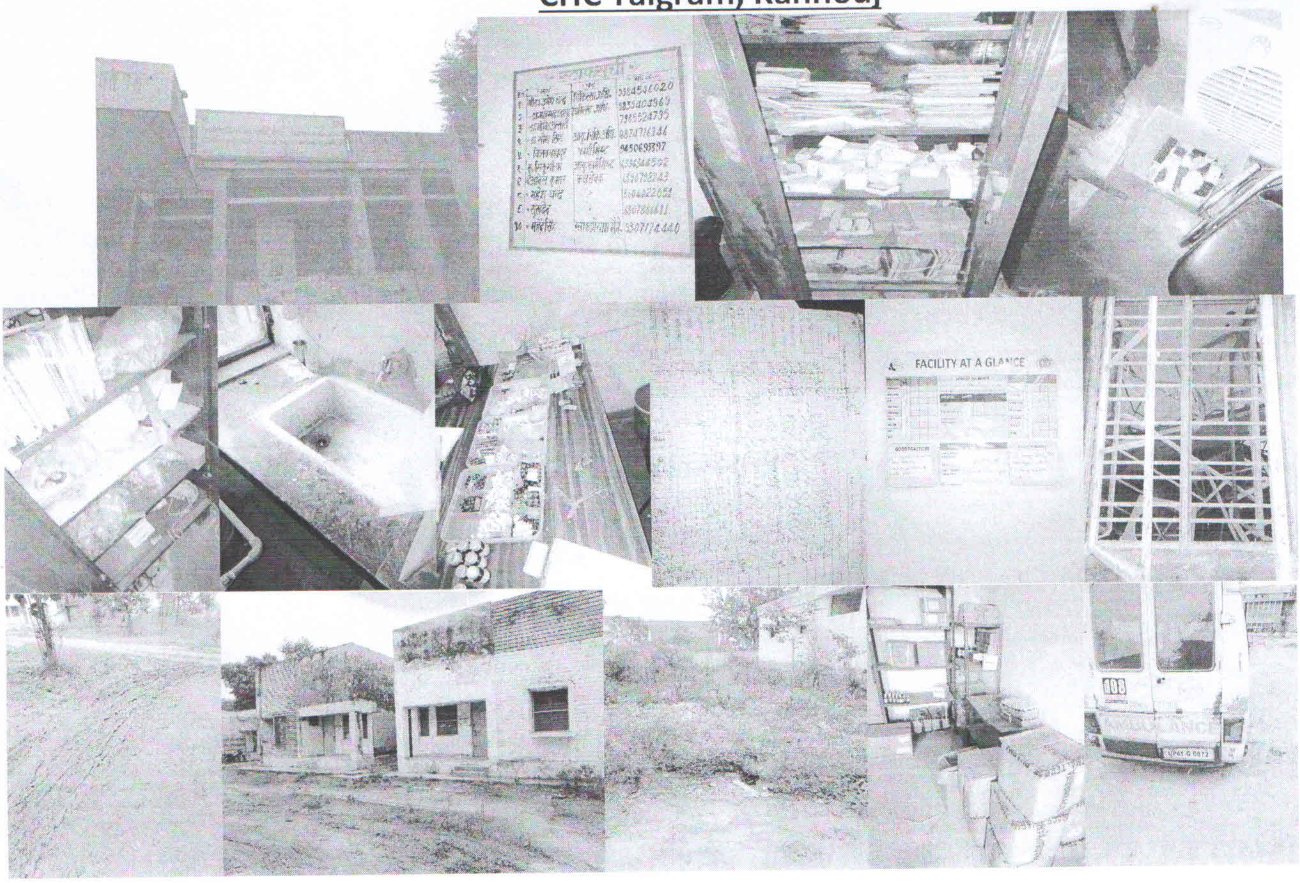

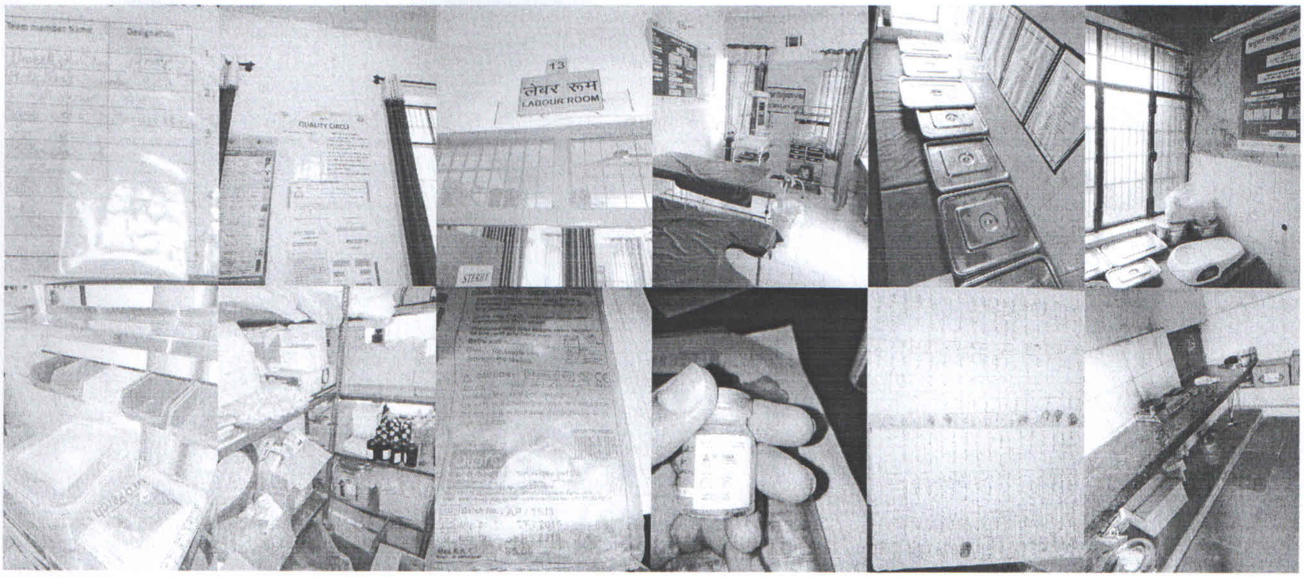

<u>CHC Kayamganj, Farrukhabad</u>